759. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
(a) संत रामचरण जी – शाहपुरा
(b) संत हरि रामदास जी – सिंहथल
(c) संत दरियाव जी – रेवासा
(d) संत रामदास जी – खेड़ापा
RPSC G.K. & Agronomy 29.08.2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

760. 18वीं शताब्दी में राजस्थान में रैण, शाहपुरा, सिंहथल, खेडापा किस संप्रदाय के चार प्रमुख केन्द्र थे?
(a) मीरादसी संप्रदाय (b) रामस्नेही संप्रदाय
(c) दादू पंथ (d) रामदासी संप्रदाय
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) भर्ती परीक्षा- 2020

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

761. 'अलखिया सम्प्रदाय' की स्थापना किसने की?
(a) संत दासजी
(b) चरणदास
(c) स्वामी लाल गिरी
(d) भोलानाथ
ग्राम सेवक एवं होटल सुपरीटेन्डेंट परीक्षा -2016
पटवार 2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-III

Ans. (c) – अलखिया सम्प्रदाय की स्थापना स्वामी लाल गिरी ने की। इस संप्रदाय के अनुसार ईश्वर निराकार है। इस सम्प्रदाय के अनुयायी जाति और पंथ में विश्वास नहीं करते हैं। इसकी प्रधान पीठ बीकानेर में है। इस सम्प्रदाय का ग्रंथ अलख स्तुति प्रकाश है।

762. राजस्थान में 'ऊँदरिया पंथ' किनमें प्रचलित है?
(a) सहरिया में (b) गरासिया में
(c) भीलों में (d) मीणाओं में
Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) – राजस्थान में 'ऊँदरिया पथ' भीलों में प्रचलित है। भील जनजाति राज्य की दूसरी प्रमुख जनजाति है जिसका विस्तार बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, सिरोही व चित्तौड़गढ़ जिलों में है। कर्नल टॉड ने इन्हें वनपुत्र की संज्ञा दी है।

763. 'निम्बार्क' सम्प्रदाय की मुख्य पीठ कहाँ है?
(a) किशनगढ़ में (b) सलेमाबाद में
(c) सालासर में (d) खेडापा में
LDC Exam 12.08.2018

Ans. (b) – निम्बार्क सम्प्रदाय की मुख्य पीठ सलेमाबाद में है। सलेमाबाद (अजमेर में) रूपनगढ़ नदी के किनारे स्थित है। निम्बार्क सम्प्रदाय की स्थापना आचार्य निम्बार्क ने की थी। इसे 'हंस सम्प्रदाय' के नाम से भी जाना जाता है।

764. जोधपुर में महामन्दिर राजस्थान के किस संप्रदाय की प्रमुख गद्दी है?
(a) रामानुज संप्रदाय (b) कबीर पंथ
(c) दादू पंथ (d) नाथ पंथ
LDC Exam 16.09.2018

Ans. (d) – जोधपुर में महामंदिर राजस्थान के नाथ सम्प्रदाय की प्रमुख गद्दी है। यह मंदिर जालंधर नाथ जी का है जिसका निर्माण महाराजा मानसिंह ने करवाया था। मंदिर गर्भगृह में 84 योगासनों और इतिहास प्रसिद्ध नाथ योगियों के चित्र बने है। मंदिर में कुल 100 खम्भे लगे हुए है।

765. 'दयाबाई' एवं 'सहजोबाई' का संबंध किस सम्प्रदाय से रहा है-
(a) चरणदासी सम्प्रदाय (b) जसनाथी सम्प्रदाय
(c) परनामी सम्प्रदाय (d) निरंजनी सम्प्रदाय
JEN Mechanical Degree (Tsp Area)16.10.2016

Ans. (a) – दयाबाई और सहजोबाई का संबंध चरणदासी संप्रदाय से है। उल्लेखनीय है कि चरणदासी संप्रदाय के प्रवर्तक चरणदास जी हैं। इस संप्रदाय की मुख्य पीठ दिल्ली में है। चरणदासी संप्रदाय के लोगों द्वारा निर्गुण-निराकार ब्रह्म की 'सखी भरव' से सगुण भक्ति की जाती है।

766. चरणदासी सम्प्रदाय की प्रधान पीठ कहाँ है-
(a) दिल्ली (b) अलवर
(c) बीकानेर (d) सीकर
JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

767. मलूकनाथ किस पंथ के साधु थे-
(a) गरीबदासी पंथ (b) चरणदासी पंथ
(c) रामानन्द पंथ (d) रामस्नेही पंथ
Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (a) –

पंथ		प्रवर्तक
गरीबदासी पंथ	–	मलूकनाथ
चरणदासी सम्प्रदाय	–	चरणदास
रामस्नेही सम्प्रदाय	–	रामदास

768. राजस्थान के प्रमुख संत तथा उनके द्वारा स्थापित सम्प्रदायों के सम्बन्ध में कौन से युग्म सही हैं?
(A) रामचरणजी – राम स्नेही सम्प्रदाय (शाहपुरा)
(B) लालगिरिजी – अलखिया सम्प्रदाय
(C) हरिदासजी – निरंजनी सम्प्रदाय
(D) संतदासजी – गूदड़ सम्प्रदाय
अपने उत्तर निम्न कूटों की सहायता से दीजिए:
(a) मात्र A और C सही हैं।
(b) मात्र A और B सही हैं।
(c) मात्र A,C और D सही हैं।
(d) A,B,C और D सभी युग्म सही हैं।
RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (a) : राम स्नेही सम्प्रदाय की स्थापना रामचरण जी द्वारा की गई थी। इसकी मुख्य पीठा/मठ शाहपुरा भीलवाड़ा में स्थित है। राजस्थान में रामस्नेही सम्प्रदाय के 4 केन्द्र है।
निरंजनी सम्प्रदाय की स्थापना संत हरिदास जी द्वारा की गई थी। इसकी प्रधान पीठ गाढ़ा, डीडवाना, नागौर में स्थित है।

769. निम्नलिखित में से कौन सा (सम्प्रदाय-प्रमुख मंदिर/पीठ) असंगत युग्म है?
(a) अलखिया सम्प्रदाय-बिलाड़ा (जोधपुर)
(b) निरंजनी सम्प्रदाय-गाढ़ा गांव (डीडवाना)
(c) लालदासी सम्प्रदाय-धोलीदूब (अलवर)
(d) गूदड़ सम्प्रदाय-दाँतड़ा (भीलवाड़ा)
Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (a) :

	संप्रदाय		प्रमुख मंदिर/पीठ
(i)	अलखिया सम्प्रदाय	-	बीकानेर
(ii)	निरंजनी सम्प्रदाय	-	गाढ़ा गाँव (डीडवाना)
(iii)	लालदासी सम्प्रदाय	-	धोलीदूब (अलवर)
(iv)	गूदड़ सम्प्रदाय	-	दाँतड़ा (भीलवाड़ा)